जोड़ी में कार्य का उपयोग: प्राथमिक गणित

हिन्दी
कमेंट्री: इस प्राथमिक गणित की कक्षा में शिक्षिका, अंकों पर कार्य करने के लिए विद्यार्थियों की जोड़ियों में काम का प्रयोग करती हैं। **शिक्षिका:** जैसे कल हम मेले से संबन्धित एक कहानी बनाए थे? वैसे आज तुम लोग कहानी बनाओगे और हमको सुनाओगे। कि जो तुम लोग question बनाओगे या कहानी बनाओगे जो तुम लोगों को समझ में आता है वो अपनी मर्ज़ी से बनाओ, बस ये हो कि तुम लोग की अपनी real life से बना हो। बाज़ार जाते हो, मेले में जाते हो, घर के आसपास कुछ ऐसा होता है। जो भी pair बनता है दोनों बच्चे आपस में बात करेंगे और अपनी कहानी, एक दूसरे को सुना लेना; कि हम ये वाला सोचे थे, और इसमें देख लो, हम लोग कुछ मिला के, कुछ और अच्छी कहानी बन जाएगी क्या? दोनों कहानी, अपने मन से मिला लेना। कमेंट्री: विद्यार्थियों को जोड़ियों में आपसी सहयोग से खुद कहानियाँ बनाने देना - उन्हें अपने गणितीय कौशल का अभ्यास करने के लिए - आत्मविश्वास महसूस करने में - मदद करता है। **विद्यार्थी १:** आकाश ने तीन-हज़ार-तीन-सौ-सत्तर रुपये ले गया। अमित ने दो-हज़ार-तीन-सौ-नब्बे रुपये ले गया था। दोनों के पास, रुपये कुल कितने हुए? जोड़ना पड़ेगा? कि घटाना पड़ेगा? **विद्यार्थी २:** जोड़ना पड़ेगा। **विद्यार्थी १:** तो जोड़ो! कमेंट्री: जैसा कि यहाँ देखा जा सकता है, मिश्रित क्षमता वाली जोड़ियाँ बनाना, कुछ विद्यार्थियों को दूसरे विद्यार्थियों की सहायता करने का मौका भी देता है। **विद्यार्थी ३:** एक, दो, zero. १२० हुआ? अब यहाँ पर पहले एक लिखें, फिर दो लिखें, फिर zero लिखें। एक-सौ-बीस। फिर यहाँ पर जोड़ेंगे, इस से, फिर इस से, फिर इस से...

विद्यार्थी ४: इत्ते आम तोडिन?

विद्यार्थी ३: देखो, चीकू एक-सौ-बीस आम तोडिन?

विद्यार्थी ४: हाँ, और मीकू...

विद्यार्थी ३: और मीकू, दुइ-सौ-तीस...

विद्यार्थी ४: ठीक है।

शिक्षिका: दोनों अपने pair के साथ आओ। एकसाथ, दोनों class में enter करो।

कमेंट्री:

अगले दिन, शिक्षिका विद्यार्थियों की पिछले दिन की समझ को और आगे बढ़ाने के लिए, एक काम तैयार करती हैं। इस बार वह समान क्षमता की जोड़ियों का प्रयोग करती हैं, जो विद्यार्थियों को गणितीय काम की कोशिश करते समय, सहज महसूस करने में मदद कर सकता है।

काम है- मेहमानों के लिए एक दावत की योजना बनाना, और पकवानों के लिए budget बनाना।

शिक्षिका: जो चीज़ें, खरीद के लाओगे वो चीज़ें उस पैसे के अन्दर आ जानी चाहिए। दोनों बच्चे मिलकर करेंगे। एक बच्चा बोलेगा दूसरा बच्चा सुनेगा, उसको ध्यान से सुनेगा और उसको बोलने का पूरा मौका देगा।

विद्यार्थी ५: देखो, दीदी आत है, जीजा आत है, और मौसी आवत है, और मौसीया...

विद्यार्थी २: एक-सौ-अस्सी रुपये का तेल।

विद्यार्थी १: एक-सौ-अस्सी रुपये का तेल।

विद्यार्थी २: सौ रुपये का मैदा।

विद्यार्थी १: एक-सौ-बीस का वो... आलू हो गया, और सौ का वो... मसाला हो।

कमेंट्री:

जोड़ियों के काम के दौरान, शिक्षिका विद्यार्थियों का सुनकर निरीक्षण करने के लिए, कक्षा में घूम सकती हैं, और उनकी सोच को आगे बढाने के लिए, संकेत दे सकती हैं।

शिक्षिका: और अब हम, तीन-सौ रुपये खर्च कर चुके हैं। कितना बच गया हमारे पास? क्या करना

पडेगा?

विद्यार्थी ६: घटाना पडेगा।

शिक्षिका: घटाना पडेगा। घटाने के लिए ये चिन्ह हो गया। ये कितना है?

विद्यार्थी ६: तीन-सौ।

शिक्षिका: कितना बच जाएगा? निकाल के रखो, यहाँ अपनी कॉपी पर निकालो। एक-हज़ार में से, तीन-सौ रुपये, घटा के रखो दोनों लोग। ठीक है ना? अभी हम आते हैं, तुम लोगों के पास।

विद्यार्थी ७: जे लिखना है, हम लोगों को, कि कितने पैसे बचे हैं?

विद्यार्थी ८: हाँ।

विद्यार्थी ७: समझे?

विद्यार्थी ८: पहले सारा समान लिख लें, फिर...

शिक्षिका: कुल कितने रुपये खर्च किये?

विद्यार्थी ३: कुल...

शिक्षिका: कॉपी में अपनी, देख के बताओ। देखो, देखो, यहाँ देखो, कॉपी में देखो।

विद्यार्थी ९: साढ़े-चार-सौ रुपये...

शिक्षिका: साढ़े-चार-सौ रुपये, total खर्च हुए हैं?

विद्यार्थी ९: Yes, ma'am.

विद्यार्थी १०: दस समोसे, दस लिये?

विद्यार्थी ११: यहाँ पर पहले समोसे लिखे हैं, अब दस यहाँ पर लिखो।

विद्यार्थी १०: अरे वो, अब लिख दिए... अब कहाँ लिख पाऊँगा, साठ रुपये?

विद्यार्थी ११: ना लिखो।

विद्यार्थी १०: पेप्सी...

विद्यार्थी ११: पेप्सी साठ रुपये, अब लिखो यहाँ, लिखो साठ!

शिक्षिका साक्षात्कार:

Topic बहुत interesting था तो उससे भी सभी बच्चे जो है, आपस में काम कर रहे थे। और जो नहीं बोलने वाले भी बच्चे थे, वो भी आज बात कर रहे थे।

विद्यार्थी १२: तीन-सौ, चार-सौ, पाँच-सौ**,** छह-सौ। और आलू...

विद्यार्थी १३: ल...डडू ख...रीदे सौ... रुपये के।

विद्यार्थी ४: छह-सौ बचे, हैं ना? छह-सौ बचे?

शिक्षिका: Very good! आज, हम लोग, सीखे क्या क्या चीज़?

विद्यार्थी: Ma'am, जोड़ घटाओ।

शिक्षिका: और? प्रश्न बनाना।

विद्यार्थी: कहानी बनाना, प्रश्न बनाना।

शिक्षिका: हाँ, कहानी बनाना और?

विद्यार्थी: प्रश्न बनाना।

शिक्षिका: प्रश्न बनाना। यानि कि, जोड़-घटाना हमारे... या गणित हमारे जीवन में, हर समय चलता रहता है। चलता रहता है...

कमेंट्री:

इस वीडियो में शिक्षिका पहले मिश्रित और फिर समान क्षमता वाली जोड़ियों का उपयोग करती हैं। दोनों तरह की जोड़ियों के क्या फायदे हैं? अपनी कक्षा में आप, कैसे जोड़ियों का उपयोग करेंगे?